क्रूज हादसा | अब तक 11 शव मिले, 2 अब भी लापता, अंडरवाटर ड्रोन से भी हुई सर्चिंग, सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ ने संभाला है मोर्चा

तीन दिन बाद मिली दो मासूमों की लाश

जबलपुर। बरगी बांध में गुरुवार शाम हुए क्रूज हादसे के बाद से सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ ने मोर्चा संभाला हुआ है। तीन दिन से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। शनिवार सुबह 6 बजे से लापता मासूमों समेत चार की तलाश में दस टीमें नर्मदा में उतरीं। सर्च ऑपरेशन का दायरा बढ़ा दिया गया। दस टीमों ने चप्पे-चप्पे पर खोजबीन शुरू की। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, पुलिस और होमगार्ड की टीमें सुबह से लापता लोगों की तलाश में लगी रहीं। बांध के गहरे पानी में लापता लोगों की तलाश के लिये डीप डाइविंग की गई। टीमें नौकाओं की मदद से तलाश करती रही। इस दौरान सेना के अंडरवाटर ड्रोन से भी सर्चिंग चली, दोपहर तक कोई सुराग नहीं लगा लेकिन शाम को एक के बाद एक दो मासूमों के शव टीमों ने ढूंढ निकाले। इसके साथ ही मृतकों की संख्या 11 पहुंच गई। एक बालक समेत दो लोग अब भी लापता है जिनकी तलाश में अब रविवार को पुन-रेस्क्यू चलेगा ।

गुनहगारों पर दर्ज हो एफआईआर अधिकारियों पर भी गिरे गाज

मामले में क्रूज पायलट महेश पटेल, क्रूज हेल्पर छोटेलाल गोंड एवं टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की जा चुकी हैं, इसके साथ ही होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया जा चुका है जबकि रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर विभागीय जांच शुरू की गई है। दुर्घटना के सटीक कारणों, तत्कालीन परिस्थितियों का विश्लेषण करना, क्रूज़ संचालन से जुड़ी सभी प्रासंगिक नियमों व खामियों की जांच करने पर जांच बैठ गई है। तीनों बिन्दुओं पर जांच चल रही है लेकिन इस कार्रवाई पर सवाल खड़े होने लगे है। 11 मौतों के गुनहगारों पर एफआईआर की मांग उठ रही है साथ ही कुछ छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर वास्तविक जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाने के आरोप भी लग रहे है। युवा कांग्रेस ने भी एएसपी क्राइम जितेन्द्र सिंह को ज्ञापन सौंपा है। साथ ही दोषियों के खिलाफ एफआईआर की मांग की है।

एयर लिफ्ट कर शवों को दिल्ली व तमिलनाडू के कोयंबतूर भेजा

मृतकों में जबलपुर समेत तमिलनाडु, न्यू दिल्ली, भोपाल के निवासी शामिल हैं। मृतकों के पार्थिव शरीरों को उनके गृह नगर भेजने की प्रक्रिया जारी है। डुमना विमानतल पर शनिवार सुबह उस समय माहौल बेहद गमगीन हो गया जब पार्थिव देहों को जबलपुर एयरपोर्ट ले जाया गया। घटना में जान गंवाने वालों में से तीन मधुर मैसी पति जूलियस मैसी, मरीन मैसी पति प्रदीप मैसी और त्रिशान मैसी पिता प्रदीप मैसी 4 वर्ष के शव को शनिवार की सुबह 8 बजे इंडिगो की नियमित विमान सेवा से नई दिल्ली भेजे गये। वहीं, हादसे में मृत काकूलाझी पति कामराज 38 वर्ष एवं श्रीमती सौभाग्यम अलागन पति परिमल अलागन 42 वर्ष के शव को शाम 3 .30 बजे एयर कार्गो विमान से तमिलनाडु के कोयम्बटूर रवाना किये गये। कोयंबटूर भेजे गए इन पार्थिव शरीरों के साथ मृतकों के दो परिजन भी गए हैं, ताकि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। मानव अवशेषों के परिवहन के लिए आवश्यक सभी तकनीकी जांच और दस्तावेजी औपचारिकताएं समय रहते पूरी की गईं, ताकि परिजनों को किसी तरह की असुविधा न हो।

इन्होंने गंवाई जान

हादसे में नीतू सोनी (43) निवासी कोतवाली जबलपुर, सोभाग्यम अलागन (42) निवासी अन्नानगर, वेस्ट तारापुरम, टी.के. थाना मुनगर, तिरूपूरूर तमिलनायडू , काकुलाझी (38) निवासी खमरिया, मधुर मैसी (62) निवासी खाजन बस्ती थाना न्यू दिल्ली, त्रिशान (4) निवासी खजान बस्ती नांगल राया, न्यू दिल्ली, मरीन मैसी खजान न्यू दिल्ली, रेशमा सैयद (66) निवासी सिविल लाइन जबलपुर, शमीम नकवी (66) निवासी डेरखी भोपाल, ज्योति श्रीवास (34) निवासी फूटाताल घमापुर जबलपुर, विजरा सोनी निवासी कोतवाली, तमिल निवासी खमरिया की मौत हुई है।

ये अब भी लापता

9 वर्षीय मयूरम और 40 वर्षीय कामराज अब भी लापता है। देर शाम रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर दिया था। अब आज पुनः दोनों की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चलेगा।

पायलट बोला न सो पा रहा हूं, न खाना खाया, मंजर डराता है

क्रूज के पायलट महेश पटेल का भी बयान सामने आया। उसने कहा कि हर संभव प्रयास किया लेकिन पलटने से नहीं रोक सका। महेश ने कहा कि जब क्रूज रवाना हुआ तब मौसम सामान्य था लेकिन कुछ ही देर में मौसम बिगड़ गया था। तेज आंधी चलने के साथ ऊंची लहरें चलने लगी थी। मैंने पूरी कोशिश की कि क्रूज को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाया जाए, लेकिन ऐसा नहीं कर सका। उन्होंने रोते हुए बताया कि घटना से उबर नहीं पा रहे हैं। 3 दिन से मैंने कुछ नहीं खाया है, सो भी नहीं पा रहा हूं। किसी को भी इस प्रकार की स्थिति का सामना न करना पड़े। मैं जब सोने की कोशिश करता हूं तो वह मंजर याद आ जाता है।

हद दर्जे की बरती गई लापरवाही

कृष्णा सोनी निवासी कोतवाली ने बताया कि क्रूज हादसे के पहले हद दर्जे की लापरवाही बरती गई। हादसे के पूर्व ही लापरवाही बरतने का सिलसिला शुरू हो गया था । सबसे पहले जब पर्यटक क्रूज में चढ़ रहे थे तब उन्हें लाइफ जैकेट नहीं दी गई। जब मौसम खराब होने का अनुमान हो गया था तो क्रूज का संचालन नहीं होना था। जब तेज आंधी- तूफान चलने लगा तो लोगों ने क्रूज को किनारे लगाने और आगे जाने से मना किया था लेकिन क्रूज संचालक नहीं माना उसने क्रूज को मोड और आगे बढ़ा दिया। हर तरफ लापरवाही बरती गई जिन्हें तैरना आता था या उन्हे किसी तरह लाइफ जैकेट मिली तो वे बच गए । आंधी तूफान के बीच क्रूज का संतुलन बिगड़ा और लहरों में वह डूब गया था। हर तरफ चीख पुकार मची थी।

पत्नी, बेटे को खोया

दरहाई निवासी सोनी परिवार के सदस्य गुरुवार को बरगी बांध घूमने गए थे। टाटा एआई बैंक में कार्यरत 45 वर्षीय श्रीमती सोनी की मौत हो गई थी उनके पांच वर्षीय विराज सोनी लापता था जिसका शव तीसरे दिन मिला। परिवार के शेष सदस्य 38 वर्षीय विकास सोनी, 40 वर्षीय अनामिका सोनी, 12 वर्षीय आराध्या सोनी एवं 18 वर्षीय समृद्धि सोनी सुरक्षित बच गए थे।

जमीन आसमान एक कर दो, मेरा बेटा लौटा दो

विराज के पिता ने शनिवार को रोते बिलखते हुए गुहार लगाई थी कि जमीन, आसमान एक कर दो, लेकिन मुझे मेरा बेटा लौटा दो। उन्होंने पीएम नरेन्द्र मोदी, सीएम मोहन यादव से भी मदद की गुहार लगाई थी। शाम को विराज का शव मिला।

हादसे के पीछे लापरवाही, कमजोर प्लानिंग, निगरानी की कमी जिम्मेदार : तन्खा

क्रूज हादसे को लेकर राज्य सभा सांसद विवेक तंखा ने कहा कि हादसे के पीछे प्रशासनिक लापरवाही, कमजोर प्लानिंग, निगरानी की कमी जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि अब तक जो लापता है उन्हें जल्द ढूंढा जाए और उनके परिजनों को दस-दस लाख रूपए का मुआवजा मिले। उन्होंने विशेषज्ञ एजेंसियों की मदद से पूरा क्षेत्र स्कैन करने की मांग भी की है। उन्होंने सरकार की तरफ से मिले मुआवजे पर भी सवाल उठाए। पीड़ित परिवारों को प्रदेश सरकार और पीएम द्वारा दिए जा रहे मुआवजे को नाकाफी बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता का मामला नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही का विषय है। उन्होंने कहा कि सीएम ने चार लाख और प्रधानमंत्री राहत राशि के दो लाख रूपए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले की स्वतंत्र जांच हो । उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि तकनीकी जांच, संचालन की मॉनिटरिंग क्यों नहीं की गई जब इतने बड़े स्तर पर क्रूज का संचालन हो रहा था। इस गंभीर मामले में अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या दोषी के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं प्रशासन ने केवल औपचारिकता निभाते हुए कुछ छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि वास्तविक जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने छिंदवाड़ा कफ सीरफ, इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों पर उन्होंने कहा कि प्रशासनिक विफलताएं सामने आ रही है। शनिवार को राज्य सभा सांसद पीड़ित परिवारों से मिले। उनके निवास पहुंचकर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। साथ ही परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया ।

पहले विराज फिर तमिल का शव मिला

सेना के अलावा एनएडीआरएफ और एसडीआरफ के लगभग 100 से अधिक गोताखोर शनिवार सुबह छह बजे नर्मदा में उतरे। शाम करीब 6-14 बजे विराज सोनी पिता कृष्ण सोनी 4 वर्षीय निवासी कोतवाली का शव मिला। इसके बाद शाम करीब 6-35 बजे तमिल पिता कामराज पांच वर्ष निवासी वेस्टलेंड खमरिया का शव बरामद कर लिया गया। जब एक के बाद एक दो बच्चों की लाशें मिली तो वहां मौजूद हर आंख नम हो गई थी। परिजन चीख-पुकार से टूट गए थे। उनके कलेजे के टुकड़े का शव देख वे बदहवास थे। चीत्कार मचा रहे थे उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि फूल जैसे मासूम बच्चे अब इस दुनिया में नहीं रहे।

मौसम के कहर से उड़द और मूंग की फसल बर्बाद

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलें चौपट संकट में किसान

नवभारत, जबलपुर। जिले में अचानक बदले मौसम ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तेज आंधी, बारिश और कई स्थानों पर हुई ओलावृष्टि ने ग्रीष्मकालीन उड़द और मूंग की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। शनिवार को भी चले तूफान और बारिश के कारण खेतों में खड़ी फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे उत्पादन घटने की आशंका बढ़ गई है।

खेतों में झुकी फसल, दाने हुए खराब

किसानों का कहना है कि तेज हवाओं के चलते कई खेतों में फसल झुक गई है और दाने खराब हो गए हैं। इससे न केवल पैदावार प्रभावित होगी, बल्कि आर्थिक नुकसान भी बढ़ेगा। पहले से ही मौसम की अनिश्चितता झेल रहे किसानों के लिए यह स्थिति और अधिक चिंताजनक बन गई है। बेमौसम बारिश ने किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द मौसम साफ नहीं हुआ, तो फसल को और अधिक नुकसान हो सकता है।

आमाहिनौता में सर्वे शुरू, मुआवजे की मांग

ग्राम आमाहिनौता एवं आसपास के क्षेत्रों में आंधी-तूफान और ओलावृष्टि से फसलों में भारी तबाही हुई है। किसानों ने इसकी सूचना सरपंच श्रीमती कंचन लखन पटेल को दी, जिन्होंने तत्काल तहसीलदार आदित्य जघेंला को स्थिति से अवगत कराया। तहसीलदार के निर्देश पर पटवारी पुष्पेंद्र अहिरवार ने मौके पर पहुंचकर खेतों का निरीक्षण किया और किसानों के साथ भौतिक सत्यापन कर पंचनामा तैयार किया। सर्वे के दौरान किसानों ने सरकार से तत्काल मुआवजा देने की मांग की है।

किसानों को राहत का इंतजार

सर्वे टीम के साथ गांव के कई किसान भी मौजूद रहे। सभी ने प्रशासन से शीघ्र राहत दिलाने की अपील की है। किसानों को अब शासन से मदद मिलने की उम्मीद है, ताकि वे इस प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई कर सकें।

कैशलेस सुविधा का लाभ नहीं देना सेवा में कमीं, उपभोक्ता आयोग का आदेश

जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को सेवा में कमी का दोषी पाया। इसी के साथ 30 दिन के भीतर दावे का निराकरण करने के निर्देश दे दिए। यही नहीं मानसिक पीड़ा के एवज में पांच हजार व मुकदमे का खर्च दो हजार भी भुगतान करने कहा।

परिवादी जबलपुर निवासी रुचिरा गुप्ता व शुभम केशरवानी की ओर से अधिवक्ता राजेन्द्र गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि परिवादियों ने मेडसेव हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी की कैशलेश मेडिकल पॉलिसी ली थी] उक्त बीमा कंपनी का अनुबंध नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से था और उक्त बीमा कंपनियों से जबलपुर स्थित निजी अस्पताल अनुबंधित था। रुचिरा 19 अप्रैल 2024 को बीमार हुई। जिस पर उसके पति शुभम ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए आकस्मिक विभाग में भर्ती कर ईलाज शुरु किया गया। स्थिति में सुधार होने पर जनरल वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया और वहां उनका इलाज हुआ। इलाज के बाद अस्पताल द्वारा उन्हें अवगत कराया गया कि उनके भुगतान बीमा कंपनियों द्वारा नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में जब पीड़ित पक्ष ने बीमा कंपनियों से संपर्क किया तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसलिए रुचिरा गुप्ता को 20 घंटा अतिरिक्त अस्पताल में रुकना पड़ा और उनके पति ने उधार लेकर अस्पताल का बिल अदा किया।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57